Model Question Paper paper (2026-2027)

Psychology (592)

Class -XII

Marking Scheme

Q.NO.		Distribution of Marks
	PART -A	
1.	C अल्फ्रेड बिनेट/ Alfred Binet	1
2	A मॉर्गन और मरे / Morgan and Murray	1
3.	D हैन्स सेलये/ Hans Selye	1
4.	A ए.पी.ए./ APA	1
5.	A कार्ल रोजर्स/ Carl Rogers	1
6.	D अभिवृति/Attitude	1
7.	भ्रमासक्ति /Delusions	1
8.	तनाव /Strain	1
9.	मूल्य /Values	1
10	परिवार ,जाति ,धर्म /Family ,Caste ,Religion	1
11.	भोजन विकार /Eating Disorder	1
12.	संवेग तर्क चिकित्सा / Rational Emotive Therapy	1
13.	A	1
14.	D	1
15.	B	
	PART -B	
16	विवेकपूर्ण चिंतन करने उद्देश्य पूर्ण कार्य करने तथा वातावरण के साथ प्रभावी रूप से समायोजन करने की क्षमता को बुद्धि कहते हैं। Intelligence is the global capacity to understand the world, think rationally, and use available resources effectively when faced with challenges.	2
17	व्यक्तित्व उन विशेषताओं का अपेक्षाकृत स्थायी संगठन है जो किसी व्यक्ति को दूसरों से अलग बनाता है तथा उसके व्यवहार, विचारों और भावनाओं को प्रभावित करता है।	1+1

	Personality is the relatively stable organization of characteristics that distinguishes an individual from others and influences their behaviour, thoughts, and emotions.	
18	यूस्ट्रेस : यूस्ट्रेस वह दबाव है जो व्यक्ति के लिए लाभदायक होता है। यह व्यक्ति को प्रेरित करता है, उसकी कार्यक्षमता बढ़ाता है तथा किसी कार्य को बेहतर ढंग से करने के लिए उत्साहित करता है। Eustress is stress that is beneficial to a person. It motivates a person, increases their efficiency, and encourages them to perform a task better. **OR** बायोफीडबैक: यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा दबाव के शारीरक्रियात्मक पक्षों का परिवीक्षण कर उन्हें कम करने के लिए फीडबैक दिया जाता है। प्रायः इसके साथ विश्रांति प्रशिक्षण भी दिया जाता है बायोफीडबैक प्रशिक्षण में तीन चरण शामिल होते हैं: विशेष शारीरिक प्रतिक्रिया के बारे में जागरूकता विकसित करना, (जैसे हृदय गति) शांत परिस्थितियों में उस शारीरिक प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के तरीके सीखना; और उस नियंत्रण को रोजमर्रा की जिंदगी की स्थितियों में स्थानांतरित करना। **Biofeedback**: It is a procedure to monitor and reduce the physiological aspects of stress by providing feedback about current physiological activity and is often accompanied by relaxation training Biofeedback training involves three stages: developing an awareness of the particular physiological response, e.g., heart rate, learning ways of controlling that physiological response in quiet conditions; and transferring that control into the conditions of everyday life.	
19	अवधान न्यूनता अतिक्रिया विकार (एडीएचडी),वियोगज दुश्चिंता विकार , बौद्धिक विकलांगता, और विशिष्ट सीखने विकार। (कोई दो) Attention-Deficit/Hyperactivity Disorder (ADHD), separation anxiety disorder (S.A.D.) Autism Spectrum Disorder, Intellectual Disability, and Specific Learning Disorder. Write any two	2

20	सेवार्थी और चिकित्सक के बीच विशेष संबंध को चिकित्सीय संबंध के रूप में जाना जाता है। यह न तो एक क्षणिक संबंध है, न ही एक स्थायी संबंध है। एक चिकित्सीय संबंध के दो प्रमुख घटक हैं। पहला घटक रिश्ते की संविदात्मक प्रकृति है जिसमें दो इच्छुक व्यक्ति, सेवार्थी और चिकित्सक, एक साझेदारी में प्रवेश करते हैं ।दूसरा घटक है- चिकित्सा की सीमित अवधि। The special relationship between the client and the therapist is known as the therapeutic relationship or alliance. It is neither a passing acquaintance, nor a permanent and lasting relationship. There are two major components of a therapeutic alliance. The first component is the contractual nature of the relationship in which two willing individuals, the client and the therapist.The second component is limited duration of the therapy.	2
21	सामान्यतः लोग निम्न कारणों से समूह में सम्मिलित होते हैं– **सुरक्षा**– जब हम अकेले होते हैं तो असुरक्षित अनुभव करते हैं । समूह इस असुरक्षा को कम करता है । व्यक्तियों के साथ रहना आराम की अनुभूति और संरक्षण प्रदान करता है। **प्रतिष्ठा** या **हैसियत** जब हम ऐसे समूह के सदस्य होते हैं जो महत्वपूर्ण समझे जाते हैं तो हम सम्मानित महसूस करते हैं तथा शक्ति बोध का अनुभव करते हैं। These are the factors which motivated people to join that group: (i) Security: When we are alone, we feel insecure. Groups reduce this insecurity. Being with people gives a sense of comfort, and protection. (ii) Status: When we are members of a group that is perceived to be important by others, we feel recognized and experience a sense of power. Suppose our school wins in an inter- institutional debate competition, we feel proud and think that we are better than others **OR** समूहों के प्रमुख प्रकार इस प्रकार हैं - •प्राथमिक और द्वितीयक समूह •औपचारिक और अनौपचारिक समूह •अंतः समूह और बाह्य समूह Major types of groups are enumerated below: •primary and secondary groups	1+1

	• formal and informal groups • ingroup and outgroup	
	PART-C	
22	इस सिद्धांत का प्रतिपादन चार्ल्स स्पीयरमैन ने किया था। स्पीयरमैन के अनुसार बुद्धि मुख्यतः दो प्रकार के कारकों से मिलकर बनी होती है: 1. सामान्य कारक (g) यह सभी प्रकार के बौद्धिक कार्यों में कार्य करता है। यह व्यक्ति की समग्र मानसिक क्षमता को दर्शाता है। 2. विशिष्ट कारक (s) यह किसी विशेष कार्य या विषय से संबंधित क्षमता होती है। प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग s-कारक होता है। उदाहरण के लिए, गणित, संगीत, चित्रकला या भाषा के लिए अलग-अलग विशिष्ट क्षमताएँ होती हैं। 1+1 अंक) This theory was proposed by Charles Spearman. According to Spearman, intelligence is composed primarily of two types of factors- General Factor (g) It works in all types of intellectual work. It reflects the overall mental capacity of a person. Specific Factor – (s) This is the ability related to a particular work or subject. Each job has a different s-factor. For example, there are different specific abilities for mathematics, music, painting or language.	3
23	व्यक्तित्व के अध्ययन के लिए निम्नलिखित उपागमों का उपयोग किया जाता है- **प्रारूप उपागम :** यह उपागम व्यवहारपरक विशेषताओं के कुछ व्यापक स्वरूपों का परीक्षण कर मानव व्यक्तित्व को समझने का प्रयास करता है। **विशेषक उपागम**: यह उपागम विशिष्ट मनोवैज्ञानिक गुणों पर बल देता है जिसके आधार पर व्यक्ति संगत और स्थिर रूपों में भिन्न होते हैं। उदाहरण के लिए एक व्यक्ति अधिक मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर सकता है और दूसरा कम। Following are the approaches used in the study of personality. Type approach: It focuses on behavioral characteristics of individuals. Trait approach: It focuses on the specific psychological attributes in an individual like for	3

	example one person may be less shy in comparison to others; or one person may be less friendly, whereas another may be more. (1-1 Marks)	
24	दबाव के कारण प्रतिरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली दुर्बल हो जाती है जिसके कारण बीमारी उत्पन्न हो सकती है। प्रतिरक्षा तंत्र शरीर के भीतर तथा बाहर से होने वाले हमलों से शरीर की रक्षा करता है। प्रतिरक्षा तंत्र में श्वेत रक्त कोशिकाएं बाह्य तत्व जैसे वायरस को पहचान कर नष्ट करता है और रोग प्रतिकारकों का निर्माण भी करता है। प्रतिरक्षा तंत्र में ही टी – कोशिकाएं, बी - कोशिकाएं तथा प्राकृतिक रूप से नष्ट करने वाली कोशिकाओं सहित कई प्रकार के श्वेताणु होते हैं। टी कोशिकाएं हमला करने वालों को नष्ट करती हैं तथा सहायक कोशिकाएं प्रतिरक्षात्मक क्रियाओं में वृद्धि करती है। प्राकृतिक रूप से नष्ट करने वाली कोशिकाएं वायरस तथा ट्यूमर दोनों के विरुद्ध लड़ाई करती हैं। (3 अंक) Stress can cause illness by impairing the workings of the immune system. The immune system guards the body against attackers, both from within and outside. The white blood cells within the immune system identify and destroy foreign bodies (antigens) such as viruses. It also leads to the production of antibodies. There are several kinds of white blood cells or leucocytes within the immune system, including T cells, B cells and natural killer cells. T cells destroy invaders, and T-helper cells increase immunological activity cells produce antibodies. Natural killer cells are involved in the fight against both viruses and tumors. (3Marks) OR **दबाव के स्रोत** **जीवन की घटनाएँ** जीवन कुछ घटनाएं तनावपूर्ण हो सकती हैं, क्योंकि वे हमारी दिनचर्या को बाधित करती हैं और उथल–पुथल का कारण बनती हैं। यदि इनमें से कई जीवन की घटनाएं जो नियोजित हैं (जैसे एक नए घर में जाना) या अप्रत्याशित (जैसे दीर्घकालिक रिश्ते का टूटना) थोड़े समय के भीतर होती हैं, तो हमें उनके साथ सामना करना मुश्किल लगता है और तनाव के लक्षणों के लिए अधिक प्रवण होंगे। **परेशान करने वाली घटनाएं** ये व्यक्तिगत तनाव हैं जो हम अपने दैनिक जीवन में होने वाली घटनाओं के कारण व्यक्तियों के रूप में सहन करते हैं, जैसे शोर, आवागमन, झगड़ालू पड़ोसी, बिजली और पानी की कमी, यातायात जाम आदि । कुछ नौकरियां ऐसी होती हैं जिनमें रोजाना के झंझट बहुत अधिक होते हैं। इन दैनिक परेशानियों के कभी–कभी उस व्यक्ति के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं जो अक्सर	3

	उनके साथ अकेले मुकाबला कर रहा होता है। **अभिघातज घटनाएं** इनमें विभिन्न प्रकार की चरम घटनाओं जैसे आग, ट्रेन या सड़क दुर्घटना, डकैती, भूकंप, सुनामी, आदि में शामिल होना शामिल है। **Sources of Stress** **Life Events** We learn to cope with small, everyday changes but major life events can be stressful, because they disturb our routine and cause upheaval. If several of these life events that are planned (e.g., moving into a new house) or unpredicted (e.g., break-up of a long-term relationship) occur within a short period of time, we find it difficult to cope with them and will be more prone to the symptoms of stress. **Hassles** These are the personal stresses we endure as individuals, due to the happenings in our daily life, such as noisy surroundings, commuting, quarrelsome neighbours, electricity and water shortage, traffic snarls, and so on. **Traumatic Events** These include being involved in a variety of extreme events such as a fire, train or road accident, robbery, earthquake, tsunami, etc.	
25	मनोग्रस्ति व्यवहार: किसी विशेष विचार या विषय पर चिंतन को रोक पाने की असमर्थता। इससे ग्रस्त व्यक्ति अक्सर अपने विचारों को अप्रिय और शर्मनाक समझता है । है। (1.5अंक) बाध्यता विकार: किसी व्यवहार को बार बार करने की आवश्यकता। – कई तरह की बाध्यता में गिनना, आदेश देना, जांचना, छूना और धोना शामिल है। (1.5 अंक) Obsessive behaviour is the inability to stop thinking about a particular idea or topic. The person involved, often finds these thoughts to be unpleasant and shameful. Compulsive behaviour is the need to perform certain behaviours over and over again. Many compulsions deal with counting, ordering, checking, touching and washing.	
26	मनश्चिकित्सा उपचार चाहने वाले (सेवार्थी) तथा उपचार करने वाले (चिकित्सक) के बीच में ऐच्छिक संबंध है। इस संबंध का उद्देश्य उन मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान करना होता है जिनका सामना सेवार्थी द्वारा किया जा रहा हो यह संबंध सेवार्थी के विश्वास को बनाने में सहायक होता है । (1 अंक)	3

	मनश्चिकित्सा के उद्देश्य निम्नलिखित हैं – 1. सेवार्थी के सुधार के संकल्प को प्रबलित करना। 2.संवेगात्मक दबाव को कम करना । 3. सकारात्मक विकास के लिए संभाव्यताओं को प्रकट करना। 4.आदतों में संशोधन करना। 5. चिंतन के प्रतिरूपों में परिवर्तन करना। 6.आत्म जागरूकता को बढ़ाना। (2 अंक) Psychotherapy is a voluntary relationship between the one seeking treatment or the client and the one who treats or the therapist. The purpose of the relationship is to help the client to solve the psychological problems being faced by her or him. All psychotherapies aim at following goals: (i) Reinforcing client's resolve for betterment. (ii) Lessening emotional pressure. (iii) Unfolding the potential for positive growth. (iv) Modifying habits. (v) Changing thinking patterns. (vi) Increasing self-awareness.	
27	अभिवृति निर्माण को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारक हैं। 1. परिवार और स्कूल का माहौल 2. संदर्भ समूह 3. व्यक्तिगत अनुभव 4. मीडिया से संबंधित प्रभाव किन्हीं तीन को स्पष्ट कीजिए। (3 अंक) Factors that Influence Attitude Formation The following factors provide the context for the learning of attitudes through the processes described above. 1. Family and School Environment 2. Reference Groups 3. Personal Experiences 4. Media-related Influences Explain any three (3 marks) (1 अंक) अभिवृत्ति किसी व्यक्ति, वस्तु, विचार, घटना या समूह के प्रति	3

	सकारात्मक, नकारात्मक या तटस्थ ढंग से प्रतिक्रिया करने की प्रवृत्ति है। अभिवृत्ति के तीन प्रमुख घटक होते हैं: 1. संज्ञानात्मक घटक यह किसी वस्तु या विषय के बारे में व्यक्ति के विचारों, विश्वासों और ज्ञान से संबंधित होता है। 2. भावात्मक घटक यह किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना के प्रति व्यक्ति की भावनाओं और अनुभूतियों से संबंधित होता है। यह बताता है कि व्यक्ति कैसा महसूस करता है। 3. व्यवहारात्मक घटक यह किसी वस्तु या स्थिति के प्रति व्यक्ति के व्यवहार या कार्य करने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। (2 अंक) Attitude is a tendency to react positively, negatively, or neutrally toward a person, object, idea, event, or group. There are three major components of attitude:1. Cognitive Component This relates to a person's thoughts, beliefs, and knowledge about an object or subject. 2. Affective Component This relates to a person's feelings and emotions toward an object, person, or event. 3. Behavioural/Conative Component This reflects a person's behaviour or tendency to act in a certain way towards an object or situation. (2 marks)	
	PART–D	
28	**अभिक्षमता –** यह किसी व्यक्ति की कौशलों के अर्जन के लिए अंतर्निहित संभाव्यता से है। अभिक्षमता विशेषताओं का ऐसा संयोजन है जो व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षण उपरांत किसी विशेष क्षेत्र के ज्ञान अथवा कौशल के अर्जन की क्षमता को प्रदर्शित करता है। (1 अंक) **अभिरुचि** –किसी विशेष कार्य करने की वरीयता । किसी व्यक्ति में किसी कार्य को करने की अभिरुचि हो सकती है परंतु हो सकता है की उसे करने की योग्यता उसमे न हो। इसी प्रकार यह संभव है कि किसी व्यक्ति में किसी कार्य को करने की अभिक्षमता हो परंतु उसमे उसकी कोई अभिरुचि न हो। इन दोनों ही दशाओं मे उसका निष्पादन संतोषजनक नहीं होगा। (1 अंक)	5

बुद्धि – विवेकपूर्ण चिंतन करने उद्देश्य पूर्ण कार्य करने तथा वातावरण के साथ प्रभावी रूप से समायोजन करने की क्षमता को बुद्धि कहते हैं। (1 अंक)

अभिक्षमता परीक्षण दो रूपों में प्राप्त होते हैं -स्वतंत्र अभिक्षमता परीक्षण तथा बहुल अभिक्षमता परीक्षण

स्वतंत्र अभिक्षमता परीक्षणों के उदाहरण -लिपिकीय अभिक्षमता, यांत्रिक अभिक्षमता, अंकिक अभिक्षमता तथा टंकण अभिक्षमता।

बहुल अभिक्षमता परीक्षणों में एक परीक्षण माला होती है

उदाहरण- विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (डी.ए.टी.),सामान्य अभिक्षमता परिक्षणमाला (जी ए टी बी) (2 अंक)

Aptitude: It refers to special abilities in a particular field of activity. It is a combination of characteristics that indicates an individual's potential to acquire skill after training.

Interest: it is a preference for a particular activity. A person may be interested in particular job or activity but may not have the aptitude for it. Similarly, a person may have the aptitude for performing a job nut may not be interested in doing that. In both the situations outcome will not be the satisfactory.

Intelligence: while assessing intelligence psychologists often found that people with similar intelligence differed widely in acquiring certain knowledge or skills.

–Aptitude tests are available in two forms: independent aptitude test and multiple aptitude test

-Example of independent aptitude tests are: Clerical aptitude, Mechanical Aptitude, Numerical Aptitude and Typing aptitude tests

- multiple aptitude tests exist in the form of test batteries e.g., DAT (Differential Aptitude Test) GATB (General Aptitude Tests Battery.

OR

बुद्धि की योजना,अवधान –भाव प्रबोधन तथा सहकालिक आनुक्रमिक का मॉडल

यह मॉडल जे.पी. दास, जैक नागलिरी और किर्बी (1994) द्वारा विकसित किया गया है। इस मॉडल के अनुसार, बौद्धिक गतिविधि में तीन न्यूरोलॉजिकल प्रणालियों की परस्पर निर्भर कार्यप्रणाली शामिल होती है, जिन्हें मस्तिष्क की कार्यात्मक इकाइयाँ कहा जाता है। ये इकाइयाँ क्रमशः भाव प्रबोधन /अवधान,कूट संकेतन या प्रक्रमण और

योजना निर्माण का कार्य करती हैं।

भाव प्रबोधन: भाव प्रबोधन की स्थिति किसी भी व्यवहार के लिए बुनियादी है क्योंकि यह हमें उत्तेजनाओं पर ध्यान देने में मदद करती है। उत्तेजना और ध्यान किसी व्यक्ति को जानकारी संसाधित करने में सक्षम बनाते हैं। उत्तेजना का एक इष्टतम स्तर किसी समस्या के प्रासंगिक पहलुओं पर हमारा ध्यान केंद्रित करता है। बहुत अधिक या बहुत कम भाव प्रबोधन ध्यान में बाधा उत्पन्न करेगी। उदाहरण के लिए, जब आपका शिक्षक आपको किसी परीक्षा के बारे में बताता है जिसे वह आयोजित करने की योजना बना रहा है, तो यह आपको विशिष्ट अध्यायों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा। भाव प्रबोधन आपको अपना ध्यान अध्यायों की सामग्री को पढ़ने, सीखने और संशोधित करने पर केंद्रित करने के लिए मजबूर करती है।

सहकालिक आनुक्रमिक प्रक्रमण: आप जानकारी को एक साथ या क्रमिक रूप से अपने ज्ञान प्रणाली में एकीकृत कर सकते हैं। एक साथ प्रसंस्करण तब होता है जब आप विभिन्न अवधारणाओं के बीच संबंधों को समझते हैं और उन्हें समझने के लिए एक सार्थक पैटर्न में एकीकृत करते हैं। क्रमिक प्रसंस्करण तब होता है जब आप सभी सूचनाओं को क्रमिक रूप से याद करते हैं ताकि एक सूचना का स्मरण दूसरे के स्मरण की ओर ले जाए। अंक, अक्षर, गुणन सारणी आदि सीखना आनुक्रमिक प्रक्रमण के उदाहरण हैं।

योजना बनाना: यह बुद्धि का एक अनिवार्य लक्षण है। जानकारी पर ध्यान देने और संसाधित करने के बाद, योजना सक्रिय हो जाती है। यह हमें कार्रवाई के संभावित तरीकों के बारे में सोचने, लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उन्हें लागू करने और उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने की अनुमति देता है। यदि कोई योजना काम नहीं करती है, तो उसे कार्य या स्थिति की आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित किया जाता है। उदाहरण के लिए, अपने शिक्षक द्वारा निर्धारित परीक्षा देने के लिए, आपको लक्ष्य निर्धारित करने होंगे, अध्ययन के लिए एक समय-सारणी की योजना बनानी होगी, समस्याओं के मामले में स्पष्टीकरण प्राप्त करना होगा और यदि आप परीक्षा के लिए दिए गए अध्यायों से निपटने में सक्षम नहीं हैं, तो हो सकता है कि आपको अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अन्य तरीकों के बारे में सोचना (उदाहरण के लिए, अधिक समय देना, किसी मित्र के साथ अध्ययन करना

Planning. Attention-arousal and Simultaneous-successive (PASS) Model of Intelligence

This model has been developed by J.P. Das, Jack Naglieri, and Kirby (1994). According to this model, intellectual activity involves the interdependent functioning of three neurological systems, called the functional units of brain. These units are responsible

	for arousal/attention, coding or processing, and planning respectively. **Arousal/Attention**: State of arousal is basic to any behaviour as it helps us in attending to stimuli. Arousal and attention enable a person to process information. An optimal level of arousal focuses our attention to the relevant aspects of a problem. Too much or too little arousal would interfere with attention. For instance, when you are told by your teacher about a test which s/he plans to hold, it would arouse you to attend to the specific chapters. Arousal forces you to focus your attention on reading, learning and revising the contents of the chapters. **Simultaneous and Successive:** **Processing**: You can integrate the information into your knowledge system either simultaneously or successively. Simultaneous processing takes place when you perceive the relations among various concepts and integrate them into a meaningful pattern for comprehension. Simultaneous processing helps you in grasping the meaning and relationship between the given abstract figures. Successive processing takes place when you remember all the information serially so that the recall of one lead to the recall of another. Learning of digits, alphabets, multiplication tables, etc. are examples of successive processing. **Planning:** This is an essential feature of intelligence. After the information is attended to and processed, planning is activated. It allows us to think of the possible courses of action, implement them to reach a target, and evaluate their effectiveness. If a plan does not work, it is modified to suit the requirements of the task or situation. For example, to take the test scheduled by your teacher, you would have to set goals, plan a time schedule of study, get clarifications in case of problems and if you are not able to tackle the chapters assigned for the test, you may have to think of other ways (e.g., give more time, study with a friend, etc.) to meet your goals.	

29	प्रक्षेपी तकनीकों का विकास अचेतन अभिप्रेरणाओं और भावनाओं का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। ये तकनीकें इस अभिग्रह पर आधारित हैं कि असरचित उद्दीपक अथवा स्थिति व्यक्तियों को उस स्थिति पर अपनी भावनाओं, इच्छाओं और आवश्यकताओं को प्रेक्षपण करने का अवसर प्रदान करता है। (1अंक) विभिन्न प्रकार की प्रक्षेपी तकनीकों का विकास किया गया है 1. रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण 2. टी ए टी 3. रोजेनजविग का चित्र गत कुंठा अध्ययन 4. व्यक्ति अंकन विधि (कोई दो) (2+2)अंक The techniques of personality assessment described so far are known as direct techniques, because they tend to rely on information directly obtained from the person who clearly knows that her/his personality is being assessed. In these situations, people generally become self-conscious and hesitate to share their private feelings, thoughts, and motivations. When they do so, they often do it in a socially desirable manner. Projective techniques were developed to assess unconscious motives and feelings. These techniques are based on the assumption that a less structured or unstructured stimulus or situation will allow the individual to project her/his feelings, desires and needs on to that situation. (1 mark) 1.The Rorschach Inkblot Test 2.Thematic apperception test 3.Sentence completion test 4.Draw a person test Explain any two (2+2 marks) OR **व्यक्तित्व – विकास की अवस्थाएं :** फ्रायड ने व्यक्तित्व के विकास की पाँच अवस्थाएं बताई है जिसे पाँच अवस्था सिद्धांत के नाम से जाना जाता है। (1 अंक)	5

	मौखिक अवस्था : **गुदीय अवस्था** **लैंगिक अवस्था** **कामप्रसूप्ति अवस्था** **जननंगीय अवस्था** सभी का वर्णन करें **(4 अंक)** **Stages of Personality Development** Freud claims that the core aspects of personality are established early, remain stable throughout life, and can be changed only with great difficulty. He proposed a five-stage theory of personality (also called psychosexual) development. Problems encountered at any stage may arrest development, and have long-term effect on a person's life. A brief description of these stages is given here. 1. **Oral Stage** **2.Anal Stage** **3.Phallic Stage** **4.Latency Stage** **5.Genital Stage** **Explain all** (1+4 marks)	
30	मनोविदलता एक ऐसा वर्णनात्मक शब्द है जो मनस्तापी विकारों के एक समूह के लिए प्रयोग किया जाता है जिसमे व्यक्ति की चिंतन प्रक्रिया मे बाधा, विचित्र प्रत्यक्षण, अस्वाभाविक सावेंगिक स्थितियाँ तथा पेशीय अपसामन्यता के परिणामस्वरूप उसकी व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों में अवनति हो जाती है। (1अंक) मनोविदलता के तीन लक्षण हैं – • सकारात्मक लक्षण • नकारात्मक लक्षण • मन:चालित लक्षण सकारात्मक लक्षण – इन लक्षणों मे व्यक्ति के व्यवहार में 'विकृत अतिशयता' तथा 'विलक्षणता का बढ़ना' पाया जाता है। मनोविदलता से ग्रसित व्यक्तियों में भ्रमासक्ति,असंगठित चिंतन एवं भाषा, प्रवर्धित प्रत्यक्षण और विभ्रम तथा अनुपयुक्त भाव पाए जाते हैं।	5

	1.भ्रमासक्ति - यह एक झूठा विश्वास है जो अपर्याप्त आधार पर बहुत मजबूती से टिका होता है। मनोविदलता में – उत्पीड़न भ्रमासक्ति संदर्भ भ्रमासक्ति अत्यहंमन्यता भ्रमासक्ति नियंत्रण भ्रमासक्ति पाई जाती है 2. औपचारिक चिंतन – मनोविदलता में व्यक्ति तर्कपूर्ण ढंग से नहीं सोच सकते तथा विचित्र प्रकार से बोलते हैं। 3. विभ्रांति – बिना किसी बाह्य उद्दीपक के प्रत्यक्षण करना। जैसे-श्रवण विभ्रांति, स्पर्शी विभ्रांति, दैहिक विभ्रांति,दृष्टि विभ्रांति,रस संवेदी विभ्रांति, घ्राण विभ्रांति। 4. अनुपयुक्त भाव – मनोविदलता के रोगी स्थिति के अनुरूप संवेग प्रदर्शित नहीं करते। (4 अंक) **Schizophrenia**: it is the descriptive term for a group of psychotic disorders in which personal, social and occupational functioning deteriorate as a result of disturbed thought process, strange perceptions, unusual emotional states and motor abnormalities. The symptoms of schizophrenia can be grouped into three categories, A. Positive symptoms B. Negative symptoms C. Psychomotor symptoms **A. Positive symptoms**: Delusions, disorganized speech and thinking, heightened perception, hallucination and inappropriate affects are the ones most often found in schizophrenia. **1.Delusions:** a delusion is a false belief that is firmly held on inadequate grounds -Delusions of persecution -Delusions of reference -Delusions of grandeur -Delusion of control **2.Formal thought disorders** Extremely difficulty in communication. Rapidly shifting from one topic to another. **3.Hallucinations:** Perception that occurs in absence of external stimuli.	

-Auditory hallucinations.
-Tactile hallucinations

(Explain all)

OR

विच्छेदन को विचारों और भावनाओं के बीच संबंधों के विच्छेद के रूप में देखा जा सकता है। पृथक्करण में अवास्तविकता, अलगाव, प्रतिरूपण और कभी-कभी पहचान की हानि या बदलाव की भावनाएँ शामिल होती हैं।

विच्छेदी स्मृतिलोप की बीमारी व्यापक लेकिन चयनात्मक स्मृति हानि की विशेषता है जिसका कोई ज्ञात जैविक कारण नहीं है (उदाहरण के लिए, सिर की चोट)। कुछ लोगों को अपने अतीत के बारे में कुछ भी याद नहीं रहता। अन्य लोग अब विशिष्ट घटनाओं, लोगों, स्थानों या वस्तुओं को याद नहीं कर सकते हैं, जबकि अन्य घटनाओं के लिए उनकी स्मृति बरकरार रहती है। यह विकार अक्सर अत्यधिक तनाव से जुड़ा होता है।

विच्छेदी आत्मविस्मृति का एक आवश्यक लक्षण है -घर और कार्यस्थान से अप्रत्याशित यात्रा ,एक नई पहचान की अवधारणा तथा पुरानी पहचान को याद न कर पाना ।

विच्छेदी पहचान विकार : जिसे अक्सर बहु व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है, विघटनकारी विकारों में सबसे नाटकीय है। यह अक्सर बचपन में दर्दनाक अनुभवों से जुड़ा होता है। इस विकार में, व्यक्ति वैकल्पिक व्यक्तित्व धारण करता है जो एक-दूसरे के बारे में जानते भी हो सकते हैं और नहीं भी।

व्यक्तित्व लोप

इसमें एक स्वप्न जैसी स्थिति शामिल होती है जिसमें व्यक्ति को स्वयं और वास्तविकता दोनों से अलग होने का एहसास होता है। प्रतिरूपण में, आत्म-धारणा में परिवर्तन होता है, और व्यक्ति की वास्तविकता की भावना अस्थायी रूप से खो जाती है या बदल जाती है।

(5 अंक)

Dissociative Disorders

Dissociation can be viewed as severance of the connections between ideas and emotions. Dissociation involves feelings of unreality, estrangement, depersonalization, and sometimes a loss or shift of identity. Sudden temporary alterations of consciousness that blot out painful experiences are a defining characteristic of dissociative disorders. Four conditions are included in this group: dissociative amnesia, dissociative fugue, dissociative identity

	disorder, and depersonalization. **Dissociative amnesia** is characterized by extensive but selective memory loss that has no known organic cause (e.g., head injury). Some people cannot remember anything about their past. Others can no longer recall specific events, people, places, or objects, while their memory for other events remains intact. This disorder is often associated with an overwhelming stress. **Dissociative fugue** has, as its essential feature, an unexpected travel away from home and workplace, the assumption of a new identity, and the inability to recall the previous identity. The fugue usually ends when the person suddenly 'wakes up' with no memory of the events that occurred during the fugue. **Dissociative identity disorder**, often referred to as multiple personality, is the most dramatic of the dissociative disorders. It is often associated with traumatic experiences in childhood. In this disorder, the person assumes alternate personalities that may or may not be aware of each other. Depersonalisation Involves a dreamlike state in which the person has a sense of being separated both from self and from reality. In depersonalisation, there is a change of self-perception, and the person's sense of reality is temporarily lost or changed (5 marks)	